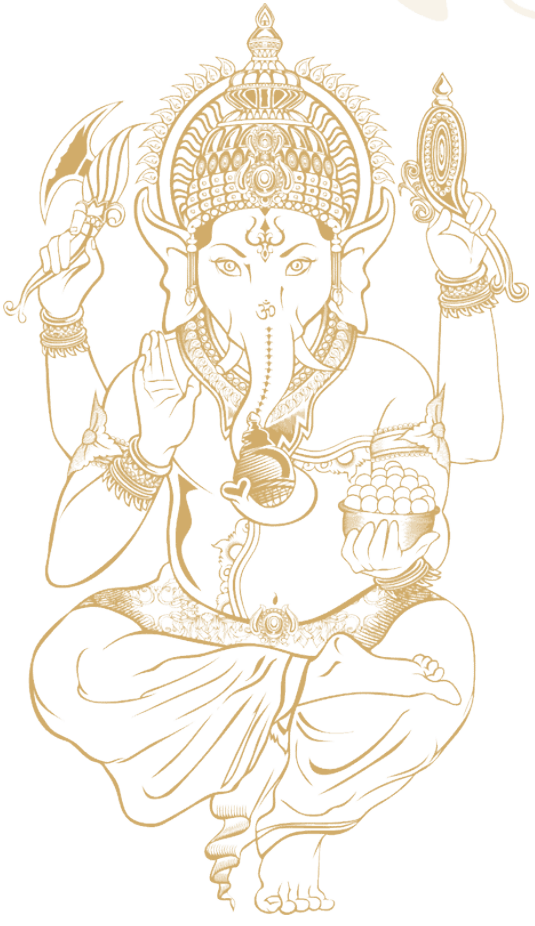

Anushka

12 Jun 2001

05:15 PM

Hissar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121747104

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**12/06/2001**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**17:15:00 घंटे**
इष्ट	29:28:48 घटी
स्थान	**Hissar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:10:00 उत्तर
रेखांश	75:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:48:00 घंटे
वेलान्तर	00:00:12 घंटे
साम्पातिक काल	10:11:29 घंटे
सूर्योदय	05:27:28 घंटे
सूर्यास्त	19:26:17 घंटे
दिनमान	13:58:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	27:41:44 वृष
लग्न के अंश	00:23:19 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	विष्कुम्भ
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गौतमी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:23:19	305:54:26	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			वृष	27:41:44	00:57:20	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	09:30:57	11:51:42	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल	व		वृश्चि	29:17:34	00:19:12	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध	व	अ	मिथु	03:48:13	00:29:53	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	स्वराशि
गुरु		अ	वृष	29:10:18	00:13:51	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	11:58:45	00:59:09	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
शनि		अ	वृष	12:47:55	00:07:36	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
राहु			मिथु	12:33:19	00:01:09	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु			धनु	12:33:19	00:01:09	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		कुंभ	00:53:19	00:00:40	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:37:52	00:00:58	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	19:50:05	00:01:36	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	06:56:37	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:21

लग्न-चलित

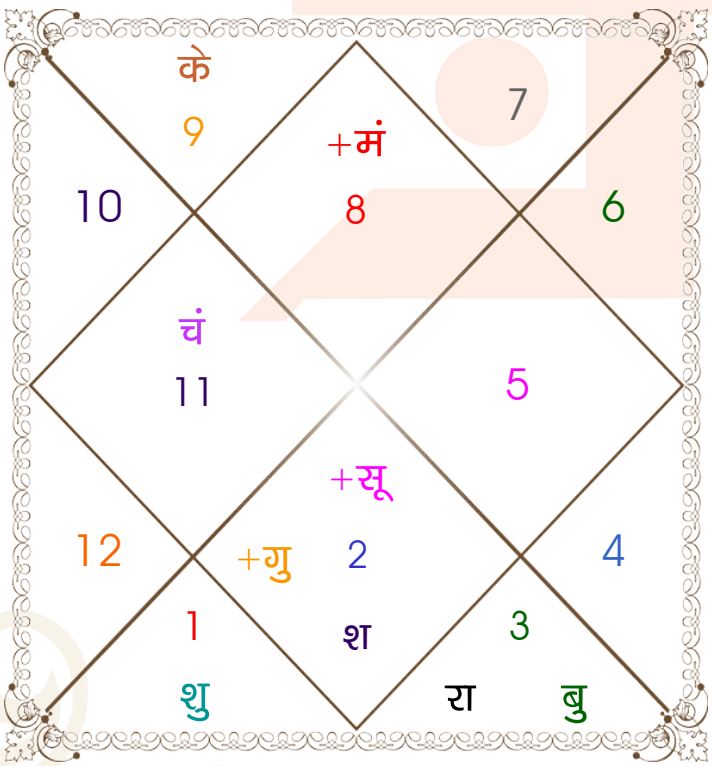

चन्द्र कुंडली

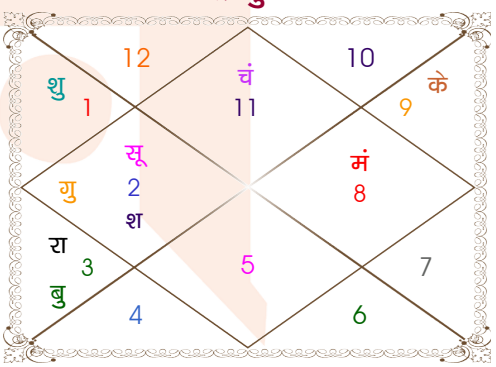

नवमांश कुंडली

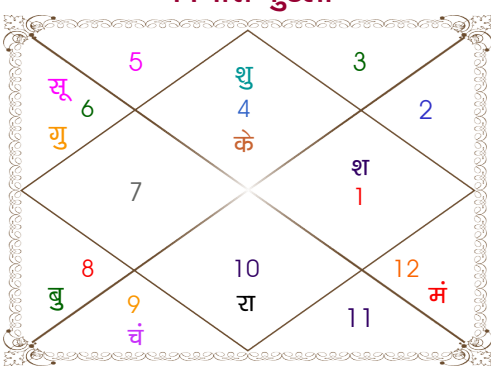

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 1 मास 25 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/06/2001		08/08/2015		08/08/2031		08/08/2050		08/08/2067	
08/08/2015		08/08/2031		08/08/2050		08/08/2067		08/08/2074	
	12/06/2001	गुरु	25/09/2017	शनि	11/08/2034	बुध	03/01/2053	केतु	04/01/2068
गुरु	13/09/2002	शनि	07/04/2020	बुध	20/04/2037	केतु	31/12/2053	शुक्र	05/03/2069
शनि	20/07/2005	बुध	14/07/2022	केतु	30/05/2038	शुक्र	31/10/2056	सूर्य	11/07/2069
बुध	06/02/2008	केतु	20/06/2023	शुक्र	29/07/2041	सूर्य	07/09/2057	चंद्र	09/02/2070
केतु	24/02/2009	शुक्र	18/02/2026	सूर्य	11/07/2042	चंद्र	06/02/2059	मंगल	08/07/2070
शुक्र	25/02/2012	सूर्य	07/12/2026	चंद्र	09/02/2044	मंगल	03/02/2060	राहु	27/07/2071
सूर्य	18/01/2013	चंद्र	07/04/2028	मंगल	20/03/2045	राहु	23/08/2062	गुरु	02/07/2072
चंद्र	20/07/2014	मंगल	14/03/2029	राहु	25/01/2048	गुरु	28/11/2064	शनि	10/08/2073
मंगल	08/08/2015	राहु	08/08/2031	गुरु	08/08/2050	शनि	08/08/2067	बुध	08/08/2074

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
08/08/2074		08/08/2094		08/08/2100		09/08/2110		08/08/2117	
08/08/2094		08/08/2100		09/08/2110		08/08/2117		00/00/0000	
शुक्र	07/12/2077	सूर्य	25/11/2094	चंद्र	08/06/2101	मंगल	05/01/2111	राहु	20/04/2120
सूर्य	07/12/2078	चंद्र	27/05/2095	मंगल	08/01/2102	राहु	23/01/2112	गुरु	13/06/2121
चंद्र	07/08/2080	मंगल	02/10/2095	राहु	09/07/2103	गुरु	29/12/2112		00/00/0000
मंगल	07/10/2081	राहु	25/08/2096	गुरु	07/11/2104	शनि	07/02/2114		00/00/0000
राहु	07/10/2084	गुरु	14/06/2097	शनि	09/06/2106	बुध	04/02/2115		00/00/0000
गुरु	08/06/2087	शनि	27/05/2098	बुध	08/11/2107	केतु	03/07/2115		00/00/0000
शनि	08/08/2090	बुध	02/04/2099	केतु	08/06/2108	शुक्र	01/09/2116		00/00/0000
बुध	07/06/2093	केतु	08/08/2099	शुक्र	07/02/2110	सूर्य	07/01/2117		00/00/0000
केतु	08/08/2094	शुक्र	08/08/2100	सूर्य	09/08/2110	चंद्र	08/08/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 1 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।